अ नु क्र म णि का

		पृष्ठांक
अध्याय : 1	दुष्यन्तकुमार व्यक्तित्व और कृतित्व	001-035
1·1	प्रास्ताविक	
1·2	दुष्यन्तकुमार का जन्म एवं जन्मस्थान	
1·3	दुष्यन्तकुमार के माता-पिता	
1·4	दुष्यन्तकुमार का बाल्यकाल / बचपन	
1·5	दुष्यन्तकुमार की प्रारम्भिक शिक्षा	
1·6	दुष्यन्तकुमार की किशोरावस्था	
1·7	दुष्यन्तकुमार का विवाह	
1·8	दुष्यन्तकुमार की उच्च शिक्षा	
1·9	दुष्यन्तकुमार का स्वभाव	
1·10	दुष्यन्तकुमार का परिवार	
1·11	दुष्यन्तकुमार की नौकरियाँ	
1·12	दुष्यन्तकुमार का देहान्त	
1·13	दुष्यन्तकुमार कवि के रूप में	
1·13·1	सूर्य का स्वागत	
1·13·2	आवाजों के घेरे	
1·13·3	जलते हुए बन का वसंत	
1·14	दुष्यन्तकुमार ग़ज़लकार के रूप में	
1·14·1	साये में धूप	
1·15	दुष्यन्तकुमार नाटककार के रूप में	
1·15·1	और मसीहा मर गया	
1·15·2	मन के कोण	
1·15·3	एक कंठ विषपायी	

पृष्ठांक

16·	दुष्यन्तकुमार उपन्यासकार के रूप में	
1·16·1	छोटे छोटे सवाल	
1·16·2	आंगन में एक वृक्ष	
1·16·3	दुहरी जिन्दगी	
17·	निष्कर्ष	
18·	संदर्भ	
अध्याय : 2	हिन्दी ग़ज़ल का स्वरूप एवं मुख्य प्रवृत्तियाँ	036-066
2·1	प्रास्ताविक	
2·2	ग़ज़ल शब्द का अर्थ	
2·2·1	ग़ज़ल काव्य की एक विधा है	
2·2·2	ग़ज़ल की परिभाषा	
2·2·3	ग़ज़ल शब्द के विभिन्न अर्थ	
2·2·4	ग़ज़ल शब्द के कोशगत विभिन्न अर्थ	
2·3	ग़ज़ल शब्द की व्युत्पत्ति	
2·3·1	हिन्दी ग़ज़ल का उदय / उद्‌भव	
2·3·1·1	हिन्दी की पहली ग़ज़ल	
2·3·1·2	कबीर की ग़ज़ल	
2·3·1·3	प्यारेलाल शोकी की ग़ज़ल	
2·3·1·4	मीरा के पदों में ग़ज़ल	
2·3·1·5	भारतेन्दु की ग़ज़ले	
2·4	हिन्दी ग़ज़ल का स्वरूप	
2·4·1	ग़ज़ल क्या है ?	
2·4·2	ग़ज़ल के प्रकार	
2·4·3	ग़ज़ल का रूपगत विवेचन	
2·4·3·1	शेर	
2·4·3·2	मिसरा	

पृष्ठांक

2·4·3·3 मतला

2·4·3·4 रदीफ़

2·4·3·5 काफ़िया

2·4·3·6 मक़ता

2·5 ग़ज़ल की मुख्य प्रवृत्तियाँ

2·5·1 हिन्दी ग़ज़लों का सामाजिक परिवेश का चित्रण

2·5·2 संघर्षों से जूझना

2·5·3 विसंगतियों पर प्रहार

2·5·4 हिन्दी ग़ज़लों की भाषा

2·5·5 उपमानों की नवीनता

2·5·6 भारतीय संस्कृति का दर्शन

2·6 निष्कर्ष

2·7 संदर्भ

अध्याय : 3 हिन्दी ग़ज़ल का ऐतिहासिक विकास 067-086

3·1 प्रास्ताविक

3·2 हिन्दी की प्राचीन ग़ज़लें

3·2·1 अमीर खुसरो

3·2·2 महात्मा कबीर

3·2·3 मीरा

3·2·4 प्यारेलाल शोकी

3·2·5 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

3·2·6 श्रीधर पाठक

3·2·7 जयशंकर प्रसाद

3·2·8 सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला"

3·2·9 रामेश्वर शुक्ल "अंचल"

3·2·10 माखनलाल चतुर्वेदी

3·3 हिन्दी ग़ज़ल का आधुनिक विकास

3·3·1 शमशेर बहादुर सिंह

पृष्ठांक

3·3·2	दुष्यन्तकुमार	
3·3·3	निरंकार देव सेवक	
3·3·4	सुर्यभानू गुप्त	
3·3·5	चंद्रसेन विराट	
3·3·6	शेरजंग गर्ग	
3·3·7	डॉ·कुँअर बेचैन	
3·3·8	डॉ·रोहिताश्व अस्थाना	
3·4	निष्कर्ष	
3·5	संदर्भ	
अध्याय : 4	**ग़ज़ल के विकास में दुष्यन्तकुमार का योगदान**	087-110
4·1	प्रास्ताविक	
4·2	दुष्यन्तकुमार की ग़ज़लों का कथ्य	
4·2·1	सामाजिक ग़ज़लें	
4·2·2	राजनीतिक ग़ज़लें	
4·2·3	प्रेम से जुडी ग़ज़लें	
4·2·4	वेदना से जुडी ग़ज़लें	
4·3	दुष्यन्तकुमार का ग़ज़ल संग्रह "साये में धूप" में वर्णित अन्य विषय	
4·3·1	देशप्रेम का चित्रण	
4·3·2	असंभव को संभव बनाना	
4·3·3	भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह	
4·3·4	सर्वहारा वर्ग का यथार्थ चित्रण	
4·3·5	रस्मों-रिवाजों पर प्रहार	
4·3·6	आशावादी दृष्टिकोन	
4·4	दुष्यन्तकुमार की ग़ज़लों का शिल्प	
4·4·1	दुष्यन्तकुमार की ग़ज़लों की भाषा	
4·4·2	दुष्यन्तकुमार की ग़ज़लों में रदीफ़ और काफ़िया	

पृष्ठांक

4·5	दुष्यन्तकुमार की ग़ज़लों में व्यंग्य	
4·5·1	मुखौटे बदलने वालों पर व्यंग्य	
4·5·2	साधु-संत को फटकार	
4·5·3	रस्मो-रिवाजों पर प्रहार	
4·5·4	भ्रष्ट राजनीतिज्ञों पर प्रहार	
4·6	निष्कर्ष	
4·7	संदर्भ	
अध्याय : 5	उ प सं हा र	111-114
5·1	लघु-शोध-प्रबंध का सारतत्व	
5·2	लघु-शोध-प्रबंध की मुख्य उपलब्धियाँ	
	सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची	115-116